Ravi Shekhar Sharma

DOB 07 | 04 | 1954

9460068451

dr.shekharclinic@gmail.com

13, Vijay nagar ll, Kartarpura,
Jaipur 302006

Spouse
Madhumati Sharma
DOM: 21 | 06 | 1977
+91 6377429056

Memories

मैंने स्कूटर चलाना सीखा उस समय जब हम कॉलेज में पढ़ा करते थे तो विद्यार्थियों के पास साइकिल हुआ करती थी, हमारे मित्र गौरी शंकर के पिताजी के पास लैंब्रेटा स्कूटर था तो वह कभी–कभी कॉलेज ले आता था, मैं उससे को बार कहता हूं यार स्कूटर चलाना मुझे भी सिखला दे, तो वह कहता था तू इस किक मारकर स्टार्ट कर जब कर लेगा तो सीख जाएगा, मैंने को बार कोशिश की मगर मेरे से किक लगती नहीं थी, और वो मजे लेते थे, तू स्टार्ट करना सीख ले फिर सिखा देंगे, एक बार मैं गौरी और आसोपा तीनों सांगानेरी गेट एक किवाड़ बनाने वाले की दुकान पर गए थे, वहां वे दोनों उससे बात करने में व्यस्त थे,और मैंने स्कूटर में किक मारी तो वह स्टार्ट हो गया और मैं फर्स्ट ग्रेड में डालकर रवाना हो गया रामनिवास बाग होते हुए कॉलेज के सामने से गोवर्धन की दुकान पर पहुंच गया, वहां फुटपाथ के साइड में एक व्यक्ति जिसकी साइकिल की चैन उतर गई थी वह चढ़ा रहा था, मैं ब्रेक के बारे में भूल गया वह साइकिल की तरह ही ब्रेक लगा रहा था मगर स्कूटर रूक नहीं रहा था, मैं जोर – जोर से चिल्ला रहा था अरे आगे से हट जा,अरे आगे से हट जा,स्कूटर चढ जाएगा इतने में वे स्कूटर धीमी गति में उससे टकरा गया।और वह साइकिल उस व्यक्ति पर गिर गई, वहां कॉलेज के कई स्टूडेंट बैठे थे उन्होंने स्कूटर पकड़कर मुझे गिरने से बचा लिया, व्यक्ति मुझसे झगड़ा करने को तैयार हो गया, कह रहा था हॉर्न क्यों नहीं बजाया, मैं कह रहा था कि यार मैं जोर – जोर से चिल्ला रहा हूं तू उठा क्यों नहीं रहा,तू हटा क्यों नहीं, और लोगों ने बीच – बचाव किया इतनी में मेरे दोनों मित्र हांपते हांफते वहां पहुंच गए और मुझे सही सलामत देख राहत की सांस ली, और मुझे गुस्से में खूब गालियां दी, मैंने पूछा अरे यार इसमें ब्रेक कहां है,ब्रेक नहीं लगे,वह बोला यह कोई साइकिल है क्या जो साइकिल की तरह ब्रेक लगा रहा था, बेवकूफ इसमें पैर में ब्रेक हो मैंने कहा आगे से ध्यान रखूंगा,वह बहुत गुस्सा हो रहा था, लेकिन मैं स्कूटर चलाना सीख गया गनीमत रही कि मेरे हाथ पांव नहीं टूटे, उस दिन के बाद गौरी शंकर स्कूटर के ताला लगा कर चाबी अपने जेब में रखने लग गया।